हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बरेली, उत्तर प्रदेश, 16 संस्करण, नगर www.livehindustan.com

17/05/2012

तरीका बदलने से मिलती है कामयाबी

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

इंस्पायर इंटर्नशिप-12

- उदाहरण देकर विद्यार्थियों को कुछ अलग करने को प्रोत्साहित किया
- अपने ही देश में दवाओं के लिए आवश्यक शोध कार्य होना जरूरी

श्री राममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में चल रहे इंस्पायर इंटर्नशिप-2012 में बेहतर शोध और इसमें कामयाबी के लिए जरूरी बातों की जानकारी दी गई। दूसरे दिन हुए दो सत्रों में प्रमुख वक्ताओं ने कई उदाहरण देकर विद्यार्थियों को बेहतर और कुछ अलग करने के लिए प्रोत्साहित किया। वक्ताओं में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) में शोध कार्य से जुड़े डॉ. महेश चंद्र और बरेली कॉलेज के भौतिकी विभाग के शिक्षक डॉ.संजीव सक्सेना थे।

डॉ. महेश चंद्र ने कहा कि ज्यादातर लोग किसी भी काम को एक ही तरह से करते रहते हैं। फिर चाहे उसमें कामयाबी मिले या नहीं। उनका कहना था कि कामयाब वही होता है जो अपने काम को अलग तरीके से करता है। उन्होंने समझाया कि कामयाबी न मिलने पर भी लोग एक ही तरीके से कोशिश करते रहते हैं जबकि जरूरत तरीका बदलने से है।

दूसरे सत्र में डॉ.संजीव सक्सेना ने कहा कि शोध के बिना तरक्की नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य सभी की प्राथमिकता होती है लेकिन यह तभी संभव है जब दवाएं सस्ती और आसानी से उपलब्ध हो सकें। इस उदाहरण के जरिए डॉ.सक्सेना ने कहा कि इसके लिए जरूरी है कि हमारे ही देश में दवाओं के लिए आवश्यक शोध कार्य हो। इस मौके पर संस्थान के डीन डॉ.प्रभाकर गुप्ता, प्रशासक सुभाष मेहरा, रतीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल आदि मौजूद थे। संचालन साक्षी पांडे ने किया।

एसआरएमएस में इंस्पायर इंटर्नशिप 2012 के दूसरे दिन बुधवार को आईवीआरआई के डॉ. महेश चंद्र को विद्यार्थियों ने बड़े ध्यान से सुना। • हिन्दुस्तान